

पद ८६ (हिंदी)

(राग: हमीर – ताल: तिलवाडा)

शिव शंकर शंभो हर हर हर । नित उठ सुमिरन मन कर कर कर ॥ध्रु॥
ले जल चावल बेलकी पतियाँ शंभूके माथे धर धर धर ॥१॥
गाल बजाय के नाम लिये तब कालहि कांपत थर थर थर ॥२॥
माणिक कहे शंभूदासन को नहीं किसूका डर डर डर ॥३॥